SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR - 416 004,
MAHARASHTRA
PHONE : EPABX – 2609000, www.unishivaji.ac.in, bos@unishivaji.ac.in
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर - ४१६ ००४, महाराष्ट्र
दूरध्वनी - ईपीएबीएक्स - २६०९०००, अभ्यासमंडळे विभाग – ०२३१—२६०९०९४

Estd. 1962
"A++" Accredited by
NAAC (2021)
With CGPA 3.52

जा.क्र./शिवाजी वि./अ.मं./हिंदी/६३ दि.०५/११/२०२२

प्रति,

मा. अधिविभाग प्रमुख,
हिंदी अधिविभाग,
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

विषय : एम. ए. भाग १ हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी) **कोर्सच्या अभ्यासक्रमाबाबत..**
संदर्भ : या कार्यालयाचे पत्र क्र.३३३ दि.१९/०९/२०२२.

महोदय,

उपरोक्त संदर्भिय विषयास अनुसरुन आपणास आदेशान्वये कळविण्यात येते की, शैक्षणिक वर्ष २०२२—२३ पासून लागू करण्यात आलेल्या **एम. ए. भाग १ हिंदी** (भाषा प्रौद्योगिकी) **कोर्सच्या** अभ्यासक्रमामध्ये किरकोळ दुरुस्ती करण्यात आलेली आहे. सोबत सदर अभ्यासक्रमाची प्रत जोडली आहे. तसेच विद्यापीठाच्या www.unishivaji.ac.in (Online Syllabus) या संकेतस्थळावर ठेवण्यात आला आहे.

सदर अभ्यासक्रम सर्व संबंधित विद्यार्थी व शिक्षकांच्या निदर्शनास आणून द्यावी ही विनंती.

कळावे,

आपला विश्वासू,

उपकुलसचिव

सोबत : अभ्यासक्रमाची प्रत.

प्रत : १. अधिष्ठाता, मानवविज्ञान विद्याशाखा.
२. समन्वयक, हिंदी अभ्यास मंडळ.
३. संचालक, परीक्षा व मुल्यमापन मंडळ कार्यालयास.
४. परिक्षक नियुक्ती ए व बी विभागास.
५. इतर परीक्षा २ परीक्षा विभागास.
६. संगणक केंद्र/आय. टी. सेल विभागास.
७. दूरस्थ व ऑनलाईन शिक्षण विभाग.

माहितीसाठी व पुढील कार्यवाहीसाठी.

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

हिंदी अध्ययन मण्डल

BORD OF STUDIES

एम.ए. भाग - I

M.A. PART-I

सत्र परीक्षा - I / II

Semester - I / II

नवीन पाठ्यक्रम

New Syllabus

(नवीन पाठ्यक्रम : सत्र परीक्षा, श्रेणी तथा एनईपी 2020)

(समय समय पर परिवर्तन संभव है)

(New Syllabus : Semester, Credit and **NEP** 2020 System)

(Subject to the modification to be made time to time)

शैक्षिक वर्ष 2022-23 से प्रारंभ

(सन 2022-23, 2023-24, 2024-25)

एम.ए.भाग 1 (भाषा प्रौद्योगिकी)

सत्र परीक्षा 1

प्रश्नपत्र I - भाषा प्रौद्योगिकी

उद्देश्य :

- भाषा प्रौद्योगिकी के स्वरूप से छात्रों को अवगत करना।
- भाषा प्रौद्योगिकी के उद्भव तथा विकास पर प्रकाश डालना।
- विज्ञान, अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकी का स्वरूप और उसका साहित्य के साथ अंत: संबंध समझाना।
- भाषा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र तथा उसकी उपयोगिता की जानकारी लेना।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - भाषा प्रौद्योगिकी : स्वरूप

- अवधारणा / संकल्पना
- भाषा प्रौद्योगिकी - स्वरूप, अर्थ, परिभाषा, व्युत्पत्ति
- कारण

इकाई 2 - Unit 2 - भाषा प्रौद्योगिकी : उद्भव तथा विकास

- भाषा प्रौद्योगिकी - उद्भव
- भाषा प्रौद्योगिकी - विकास
- भाषा प्रौद्योगिकी और तकनीकी हिन्दी का प्रयोग तथा समस्याएँ

इकाई 3 - Unit 3 - विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी तथा साहित्य

- विज्ञान - स्वरूप
- अभियांत्रिकी - स्वरूप
- विज्ञान, अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकी : अंत: संबंध
- भाषा, साहित्य और प्रौद्योगिकी : अंत: संबंध

इकाई 4 - Unit 4 - भाषा प्रौद्योगिकी : क्षेत्र तथा उपयोगिता

- भाषा प्रौद्योगिकी क्षेत्र तथा उपयोगिता
- हिंदी भाषा का प्रौद्योगिकीय प्रयोग
- हिंदी की उपलब्ध तकनीकी सुविधाएँ

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन : कुल अंक : 80

अंतर्गत मूल्यांकन (मौखिकी/ संगोष्ठी/स्वाध्याय/ अध्ययन यात्रा/ क्षेत्रीय कार्य) : 20

प्रश्न 1 : समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्प प्रश्न	20
प्रश्न 2 : समग्र पाठ्यक्रम पर लघूत्तरी प्रश्न (6 में से 4)	20
प्रश्न 3 : इकाई I और इकाई II पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20
प्रश्न 4 : इकाई III और इकाई IV पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20

संदर्भ पुस्तकें :

- दीक्षित सूर्यप्रसाद, भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा-प्रबंधन, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
- डॉ. प्रसाद विनोदकुमार, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी प्रकाशान, दिल्ली : द्वितीय संस्कारण 2008
- प्रभु पंढरीनाथ, भारत मेन शास्त्रों का उद्भव और विकास
- कानेंट जेम्स बी., विज्ञान और व्यावहारिक ज्ञान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- Mac Graw Hill, Encyclopedia of Science and Technology

प्रश्नपत्र II

भाषा का इतिहास

उद्देश्य :

- भाषा के स्वरूप पर प्रकाश डालना।
- भाषा के वीध रूपों से तथा हिन्दी भाषा से छात्रों को अवगत कराना।
- देवनागरी लिपि का स्वरूप तथा हिन्दी भाषा का मानकीकरण को समझाना।
- हिन्दी के संविधानिक स्थान को स्पष्ट करना।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 -भाषा का स्वरूप

- भाषा - अर्थ
- भाषा - परिभाषा
- भाषा - स्वरूप
- भाषा - उत्पत्ति

इकाई 2 - Unit 2 - भाषा के विविध रूप तथा हिंदी भाषा

- भाषा के विविध रूप - बोली
- भाषा के विविध रूप - उपबोली
- भाषा के विविध रूप - भाषा
- हिंदी भाषा - स्वरूप - स्वरूप

इकाई 3 - Unit 3 - देवनागरी लिपि तथा हिन्दी भाषा का मानकीकरण

- लिपि - अर्थ
- लिपि - उद्देश्य
- देवनागरी लिपि - स्वरूप
- देवनागरी लिपि - भाषा
- हिंदी भाषा का मानकीकरण - स्वरूप

इकाई 4 - Unit 4 - हिंदी का सांविधानिक स्थान

- हिंदी भाषा - स्वरूप
- हिंदी भाषा - सांविधानिक स्थान
- हिंदी भाषा - आयोग, राजभाषा नीति

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन : कुल अंक : 80

अंतर्गत मूल्यांकन (मौखिकी/ संगोष्ठी/स्वाध्याय/ अध्ययन यात्रा/ क्षेत्रीय कार्य) : 20

प्रश्न 1 : समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्प प्रश्न	**20**
प्रश्न 2 : समग्र पाठ्यक्रम पर लघूत्तरी प्रश्न (6 में से 4)	**20**
प्रश्न 3 : इकाई I और इकाई II पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	**20**
प्रश्न 4 : इकाई III और इकाई IV पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	**20**

संदर्भ पुस्तकें :

- डॉ. तिवारी भोलानाथ, भाषा विज्ञान, किताब महल एजेंसीज, इलाहाबाद : संस्कारण 2000
- डॉ. वत्स जितेंद्र, डॉ. सिंह देवेन्द्र प्रसाद, भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा, निर्मल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2009
- डॉ. श्रीमाल नेमीचन्द, भाषा विज्ञान, श्रुति पब्लिकेशन्स, जयपुर : प्रथम संस्करण 2008
- तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा, किताब महल एजेंसीज, इलाहाबाद : संस्करण 1999
- डॉ. रामप्रकाश, डॉ. गुप्त दिनेश कुमार - अनुप्रयोगात्मक हिंदी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 2013
- डॉ. वासवाणी किशोर, राजभाषा हिंदी : विवेचना और प्रयुक्ति, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र III

संगणक का इतिहास, संरचना तथा संगणक कार्यान्वयन

उद्देश्य :

- संगणक के इतिहास तथा पीढ़ियों की जानकारी देना।
- संगणक के स्वरूप तथा विकास पर प्रकाश डालना।
- संगणक की संरचना से छात्रों को अवगत कराना।
- संगणक की किकिध परिचालन प्रणालियाँ : डॉक, विंडोज, लिनक्स, युनिक्स, आदि का परिचय कराना ।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - संगणक का इतिहास तथा विकास

- संगणक : स्वरूप, प्रारंभ
- संगणक इतिहास : प्रारंभिक स्वरूप
- विकास की पीढ़ियाँ
- वर्गीकरन तथा प्रकार

इकाई 2 - Unit 2 - संगणक की संरचना, परिचालन प्रणालियाँ

- संगणक संरचना - हार्डवेयर - स्वरूप, कार्य, प्रकार
- संगणक संरचना - सॉफ्टवेयर - स्वरूप, कार्य, प्रकार, कार्यान्वयन, उपयोगिता
- परिचालन प्रणालियाँ - परिचय

इकाई 3 - Unit 3 - संगणक ई अंकीय प्रणाली, कूट प्रणाली

- अंकीय प्रणाली : स्वरूप, द्विआधारी
- कूट प्रणाली : आस्की, इस्की, यूनिकोड
- संसाधन घटक : संसाधन, स्मृति तथा भंडारण, निष्पादन तथा प्रबंधन

इकाई 4 - Unit 4 - संगणक की संसाधन भाषाएँ

- संसाधन : स्वरूप
- संगणक की संसाधन भाषाएँ - उच्चस्तरीय भाषा
  - मध्यस्तरी भाषा
  - निम्नस्तरीय भाषा
  - उपयोगिता

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन : कुल अंक : 80

अंतर्गत मूल्यांकन (मौखिकी/ संगोष्ठी/स्वाध्याय/ अध्ययन यात्रा/ क्षेत्रीय कार्य) : 20

प्रश्न 1 : समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्प प्रश्न	**20**
प्रश्न 2 : समग्र पाठ्यक्रम पर लघूत्तरी प्रश्न (6 में से 4)	**20**
प्रश्न 3 : इकाई I और इकाई II पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	**20**
प्रश्न 4 : इकाई III और इकाई IV पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	**20**

संदर्भ पुस्तके :

- Achuthan Saral, Agrawal B. C. (edtd.), Computer Technology of HigherEducation : A desing model for a computerizing University
- Achuthan saral, Agrawal B. C. (edtd.), 'GIST provides a very innovative solution for Indian Language computing Computer Technology for Higher Education : A design model for a computerizing University.
- S. Y. Shah (edtd), New Technologies in Higher Education, JNU, AIU
- देवनागरी टाइपराइटिंग प्रशिक्षण, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार
- अली इकबाल मुज्जफर, सलिल सुरेश, कंप्यूटर सहजबोध, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- बंसल राम 'विज्ञानाचार्य', कंप्यूटर विज्ञान, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र IV

भाषा विज्ञान तथा अभिकलनात्मक भाषाविज्ञान

उद्देश्य :

- भाषा विज्ञान के परिचय तथा उसके स्वरूप को स्पष्ट कराना।
- भाषा विज्ञान तथा सैद्धान्तिक अनुप्रयुक्त के स्वरूप की जानकारी लेना।
- भाषा विज्ञान की सहयोगी शाखाओं पर प्रकाश डालना।
- अभिकलनात्मक भाषाविज्ञान के स्वरूप से छात्रों को अवगत कराना।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - भाषाविज्ञान का परिचय

- भाषा विज्ञान : स्वरूप तथा इतिहास
- स्वन विज्ञान
- शब्द तथा रूप विज्ञान
- वाक्य विज्ञान
- अर्थ विज्ञान

इकाई 2 - Unit 2 - भाषाविज्ञान : सैद्धान्तिक तथा अनुप्रयुक्त

- प्रौद्योगीकी भाषा विज्ञान : संकल्पना तथा सिद्धान्त
- अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : संकल्पना, अनुप्रयोग - ज्ञान क्षेत्र
  - विज्ञान विशेष क्षेत्र
  - भाषा शिक्षण
  - अनुवाद

इकाई 3- Unit 3 - भाषाविज्ञान की सहयोगी शाखाएँ

- शैली विज्ञान
- प्रोक्ति विज्ञान
- समाज भाषा विज्ञान
- सांखिकीय भाषा विज्ञान
- तुलनात्मक भाषा विज्ञान

इकाई 4 - Unit 4 - अभिकलनात्मक भाषा विज्ञान का परिचय

- अभिकलन : संकल्पना
- परिकलन : संकल्पना
- परिकलन और अभिकलन : अंतर
- अभिकलनात्मक भाषा विज्ञान संकल्पना और उसका स्वरूप
- अनुशासनमूलक व्याकरण, प्रजनक व्याकरण नियमित व्याकरण, पदबंद संरचना व्याकरण, कारक व्याकरण
- भाषा विज्ञान तथा अभिकलनात्मक भाषा विज्ञान : अंतर

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन : कुल अंक : 80

अंतर्गत मूल्यांकन (मौखिकी/ संगोष्ठी/स्वाध्याय/ अध्ययन यात्रा/ क्षेत्रीय कार्य) : 20

प्रश्न 1 : समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्प प्रश्न	20
प्रश्न 2 : समग्र पाठ्यक्रम पर लघूत्तरी प्रश्न (6 में से 4)	20
प्रश्न 3 : इकाई I और इकाई II पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20
प्रश्न 4 : इकाई III और इकाई IV पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20

संदर्भ पुस्तकें :

- तिवारी भोलानाथ, भाषा विज्ञान, किताब महल एजेंसीज, इलाहाबाद : संस्करण 2000
- डॉ. वत्स जितेंद्र, डॉ. सिंह देवेन्द्र प्रसाद, भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा, निर्मल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2009
- डॉ. श्रीमाल नेमीचन्द, भाषा विज्ञान श्रुति पब्लिकेशन्स, जयपुर : प्रथम संस्करण 2008
- तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा, किताब महल एजेंसीज, इलाहाबाद : संस्करण 1999
- डॉ. रामप्रकाश, डॉ. गुप्त दिनेश कुमार - अनुप्रयोगात्मक हिंदी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 2013
- डॉ. वासवानी किशोर, राजभाषा हिंदी : विवेचना और प्रयुक्ति, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- श्रीवास्तव रवीन्द्रनाथ, अनुप्रयुक्त भाषा-विज्ञान सिद्धांत एवं प्रयोग, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली : संस्करण, 2000
- Hausser, Roland, Foundations of Computational Linguisttics, Springer Berlin and Heidelberg GmbH Co.3rd edition. ISBN No. 3642414303
- Mitkov, Rusalan, Oxford Handbook of Computational Linguistics, Oxford University Press. ISBN No 019927634X

प्रश्नपत्र V

स्वन तथा रूप विज्ञान

उद्देश्य :

- स्वन विज्ञान का स्वरूप, उसका परिचय तथा वर्गीकरन पर प्रकाश डालना।
- स्वनिम विज्ञान का स्वरूप ठाठ उसकी विविध शाखाओं और विशेषताओं से छात्रों को अवगत कराना।
- रूप विज्ञान का अर्थ, स्वरूप की जानकारी लेना।
- रुपिम का अर्थ, आवश्यकता और उसके प्रकारों की जानकारी लेना।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - स्वन (ध्वनि) विज्ञान : परिचय तथा वर्गीकरन

- स्वन (ध्वनि) अवधारणा
- ध्वनि अध्ययन के आधार, औच्चारणिक ध्वनि विज्ञान, ध्वनि निर्माण प्रक्रिया, स्वन के भौतिक गुण, स्वन का संवहन, ध्वनि नियम, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई 2 - Unit 2 - स्वनिम विज्ञान : स्वरूप, शाखाएँ और विशेषताएँ

- स्वनिम विज्ञान स्वरूप और प्रकार
- स्वनिम विज्ञान की शाखाएँ
- स्वनिम विज्ञान की विशेषताएँ
- स्वनिम के प्रकार और उपयोगिता

इकाई 3 - Unit 3 - रूप विज्ञान : परिचय

- रूप अवधारणा
- शब्द आउर उसकी निर्माण पद्धति
- पद निर्माण पद्धति
- संबंध टट्ट के विविध प्रकार तथा कार्य
- संबंध तत्त्व का आधिक्य और हिन्दी में संबद्ध तत्त्व
- रूप परिवर्तन के कारण तथा दिशाएँ

इकाई 4 - Unit 4 - रूपीम : आवश्यकता, प्रकार

- रुपिम : अवधारणा
- रुपिम के भेद
- रुपिम की विशेषताएँ

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन : कुल अंक : 80

अंतर्गत मूल्यांकन (मौखिकी/ संगोष्ठी/स्वाध्याय/ अध्ययन यात्रा/ क्षेत्रीय कार्य) : 20

प्रश्न 1 : समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्प प्रश्न **20**

प्रश्न 2 : समग्र पाठ्यक्रम पर लघूत्तरी प्रश्न (6 में से 4) **20**

प्रश्न 3 : इकाई I और इकाई II पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) **20**

प्रश्न 4 : इकाई III और इकाई IV पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) **20**

संदर्भ पुस्तकें :

- तिवारी भोलानाथ, भाषा विज्ञान, किताब महल एजेंसीज, इलाहाबाद : संस्करण 2000
- डॉ. श्रीमाल नेमीचन्द, भाषा विज्ञान श्रुति पब्लिकेशन्स, जयपुर : प्रथम संस्करण 2008
- डॉ. वत्स जितेंद्र, डॉ. सिंह देवेन्द्र प्रसाद, भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा, निर्मल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली : प्रथम संस्करण 2009

प्रश्नपत्र VI

वाक्य तथा अर्थ विज्ञान

उद्देश्य :

- वाक्य विज्ञान का अर्थ, स्वरूप आदि की विस्तृत जानकारी लेना।
- वाक्य परिवर्तन का स्वरूप, दिशाएँ तथा उसके कारणों से छात्रों को अवगत कराना।
- अर्थ विज्ञान के स्वरूप पर प्रकाश डालना।
- अर्थ का स्वरूप तथा अर्थ परिवर्तन के विविध कारणों की जानकारी लेना।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - वाक्य विज्ञान : परिचय

- वाक्य अवधारणा
- वाक्य में पदक्रम
- वाक्य के प्रकार
- वाक्य की आवश्यकताएँ

इकाई 2 - Unit 2 - वाक्य परिवर्तन : दिशाएँ और कारण

- वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ - आयोगात्मकता, पदक्रम में परिवर्तन, वचन संबंधी परिवर्तन, लोप , आगम अनावश्यक विभक्ति प्रयोग
- वाक्य परिवर्तन के कारण- अज्ञान, अन्य भाषा का प्रभाव, प्रयत्न लाघव, स्पष्टता का आग्रह, संक्षिप्तता, स्पष्टता, व्यापकता

इकाई 3 - Unit 3 - अर्थ विज्ञान : परिचय

- अर्थ की अवधारणा
- अर्थ की प्रतीति, आत्म अनुभव, पर अनुभव
- अर्थ बोध के साधन
- अर्थ बोध के कारण

इकाई 4 - Unit 4 - अर्थ : परिवर्तन के कारण

- अर्थ परिवर्तन : स्वरूप
- अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ
- अर्थ परिवर्तन के कारण

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन : कुल अंक : 80

अंतर्गत मूल्यांकन (मौखिकी/ संगोष्ठी/स्वाध्याय/ अध्ययन यात्रा/ क्षेत्रीय कार्य) : 20

प्रश्न 1 : समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्प प्रश्न	20
प्रश्न 2 : समग्र पाठ्यक्रम पर लघूत्तरी प्रश्न (6 में से 4)	20
प्रश्न 3 : इकाई I और इकाई II पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20
प्रश्न 4 : इकाई III और इकाई IV पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20

संदर्भ पुस्तकें :

- तिवारी भोलानाथ, भाषा विज्ञान, किताब महल एजेंसीज, इलाहाबाद : संस्करण 2000
- डॉ. रामप्रकाश, डॉ. गुप्त दिनेश, भाषा: संरचना एवं प्रयोग, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- डॉ. श्रीमाल नेमिचन्द्र, भाषा विज्ञान, श्रुति पब्लिकेशन्स, जयपुर : प्रथम संस्करण 2008
- डॉ. वत्स जितेंद्र, डॉ. सिंह देवेंद्र प्रसाद, भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा, निर्मल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली : प्रथम संस्करण 2009
- तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, राष्ट्रीय हिंदी साहित्य परिषद, नई दिल्ली
- तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा की सामाजिक संरचना, राष्ट्रीय हिंदी साहित्य परिषद, नई दिल्ली
- तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा की संधि संरचना, राष्ट्रीय हिंदी साहित्य परिषद, नई दिल्ली
- तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा की वाक्य संरचना, राष्ट्रीय हिंदी साहित्य परिषद, नई दिल्ली
- तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा की ध्वनि संरचना, राष्ट्रीय हिंदी साहित्य परिषद, नई दिल्ली
- तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा की रूप रचना, राष्ट्रीय हिंदी साहित्य परिषद, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र VI

हिंदी भाषा की संरचना

उद्देश्य :

- हिंदी भाषा के स्वरूप को समझाना।
- हिंदी के क्षेत्र, उसकी विविध उपभाषाएँ तथा उनकी विविध बोलियों से छात्रों को अवगत कराना।
- हिंदी भाषा के व्याकरण का ज्ञान कराना।
- अनुप्रयोगत्मक हिंदी का अर्थ, स्वरूप पर प्रकाश डालना।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - हिंदी भाषा का स्वरूप

- हिंदी भाषा - अवधारणा,
- हिंदी भाषा - अर्थ
- हिंदी भाषा की - उत्पत्ति
- हिंदी भाषा - विविध नाम
- हिंदी भाषा - इतिहास

इकाई 2 - Unit 2 - हिंदी के क्षेत्र, उपभाषाएँ तथा बोलियाँ

- हिंदी के क्षेत्र - हिंदी का भौगोलिक विस्तार
- हिंदी उपभाषाएँ, बोलियाँ
- पश्चिमी हिंदी
- पूर्वी हिंदी
- राजस्थानी
- पहाड़ी हिंदी
- बिहारी हिंदी

इकाई 3 - Unit 3 - हिंदी भाषा का व्याकरण

- हिंदी की स्वनिम व्यवस्था
- हिंदी शब्द रचना
- हिंदी की रूप रचना
- हिंदी का शब्द संसार
- हिंदी वाक्य रचना - पदक्रम और अन्विति

इकाई 4 - Unit 4 - अनुप्रयोगात्मक हिंदी

- व्यावसायिक पत्र लेखन
- पल्लवन
- प्रतिवेदन - लेखन
- अनुवाद- अंग्रेजी का प्रशासनिक अभिव्यक्तियाँ तथा उनके हिंदी विकल्प (शब्द, पद, विभाग)
- अंग्रेजी मुहांवरे तथा लोकोक्तियाँ - हिंदी विकल्प

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन : कुल अंक : 80

अंतर्गत मूल्यांकन (मौखिकी/ संगोष्ठी/स्वाध्याय/ अध्ययन यात्रा/ क्षेत्रीय कार्य) : 20

प्रश्न 1 : समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्प प्रश्न	20
प्रश्न 2 : समग्र पाठ्यक्रम पर लघूत्तरी प्रश्न (6 में से 4)	20
प्रश्न 3 : इकाई I और इकाई II पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20
प्रश्न 4 : इकाई III और इकाई IV पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20

संदर्भ पुस्तकें :

- गुरु कामताप्रसाद, हिंदी व्याकरण, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
- त्रिपाठी रूपनारायण, अभिनव हिंदी व्याकरण, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
- डॉ प्रकाश राम, गुप्त दिनेश, सम्प्रेषण हिंदी, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
- सिंह शंकर दयाल, हिंदी : राष्ट्रभाषा, राजभाषा, जनभाषा, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
- वरिष्ठ सरिता - भाषा विज्ञान, राष्ट्रीय हिंदी साहित्य परिषद, नई दिल्ली
- संघर्षी संतराम - हिंदी भाषा एवं साहित्य, राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य परिषद, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र VII

परियोजना तथा परियोजना कार्य

उद्देश्य :

- पठित सामग्री का प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त कराना।
- पाठ्यक्रम के आधार पर रचना का भाषिक विश्लेषण कराना।
- पाठ्यक्रम के आधार पर किसी साहित्यिक रचना पर लघुपट बनाना।

पाठ्यविषय :

- **संगणक तथा भाषिक अनुप्रयोग**
- **किसी रचना का भाषिक विश्लेषण**
- **किसी साहित्यिक रचना पर लघुपट निर्माण**

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन : कुल अंक : 80

अंतर्गत मूल्यांकन (मौखिकी परीक्षा) : 20

प्रायोगिक कार्य - 40 अंक

परियोजना कार्य - 40 अंक